HUMAN RIGHTS AND DUTIES

मानव अधिकार एवं कर्तव्य

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

www.examrace.com

SECTION - I
खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks. **(5x5=25 marks)**

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है। **(5x5=25 अंक)**

The Sri Lankan conflict with the LTTE is an example in South Asia, where women combatants were portrayed by the LTTE as romantic figures defending the nation, in order to draw other women into its fold. Women soldiers were shown to have achieved liberation by referring to them as 'Freedom Birds'. Tamil women like Kokila have spoken of this empowerment thus : 'Instead of dying screaming, being raped by an aggressor army, it is a relief to face the army with [your own] weapon'. Feminist writers in Sri Lanka have described such women as the 'mascularized virgin warrior'. The reality is that women continued to be subservient and supplementary to LTTE men. Rajani Thiranagama described this subservient status : '... and now her highest ideal was to give unquestioning obedience to a macho leader to whom she swore personal allegiance to death'. It was myths like that of 'valiant mothers' who justify male pride and go to war or send their sons/husbands/lovers to war that moved women to join the ranks of the militants. Other factors, like the increasing loss of men, the low status of women as refugees and immigrants and the general political climate, also pushed them into the militant movement. Clearly militant roles do not give women equal rights or autonomy. The so called liberation that women might achieve in situations of armed combat is often a temporary one, in which they are required to take on roles traditionally reserved for men. Once the conflict is over, women often have to revert to their household and private roles. Since laws, institutions or structures that give equal status to women do not change during conflict, women's position remains subservient to that of men.

एल.टी.टी.इ. के साथ श्रीलंका का संघर्ष दक्षिण एशिया में एक उदाहरण है, जहाँ कि महिला लड़ाकुओं को एल.टी.टी.इ. द्वारा राष्ट्र की सुरक्षा करने वाले कल्पना प्रधान भावुक व्यक्तियों के रूप में चित्रित किया गया था, ताकि अन्य महिलाओं को अपने गिरोह में लाया जा सके। महिला सिपाहियों को 'फ्रीडम बर्ड्स' बताते हुए, यह दर्शाया कि उन्होंने स्वाधीनता प्राप्त की। अतः तमिल महिला, कोकिला ने इस सशक्तिकरण के बारे में कहा था 'चीखते हुए मरने, आक्रामक सेना द्वारा बलात्कार का शिकार बनने के बजाय, सेना का (अपने खुद के) हथियार के साथ सामना करना राहत है'। श्रीलंका में स्त्रीवादी लेखक ने ऐसी स्त्रियों को 'पुरुषवतीय कुमारी योद्धा' के रूप में परिभाषित किया है। वास्तविकता यह है कि स्त्रियां एल.टी.टी.इ. पुरुषों की वशवर्ती या आज्ञाकारी और पूरक बनी चली आ रही हैं। रजनी थिरनागामा ने इस जो-हुजूरिया स्थिति को इस प्रकार परिभाषित किया है, "और अब उसका उच्चतम आदर्श मेको (macho) नेता, जिसके प्रति वो मृत्यु तक व्यक्तिगत भक्ति की कसम लेती है, की संदेहरहित आज्ञा पालन करना है।" 'शूरवीर माता' जो पुरुष के गर्व को न्यायोचित ठहराती है और युद्ध में जाती है या अपने पुत्रों /पतियों/प्रेमियों को भेजती है, के जैसे मिथक ने स्त्रियों को आतंकवादियों की श्रेणी में शामिल होने के लिये प्रेरित किया। अन्य कारक जैसे पुरुषों का बढ़ता हुआ लोप, शरणार्थी और उत्प्रवासी के रूप में स्त्रियों का निम्न दर्जा, और सामान्य राजनैतिक वातावरण, ने भी उन्हें आतंकवादी आन्दोलन में भाग लेने के लिये दबाव डाला। स्पष्टतया, लड़ाकू की भूमिका स्त्रियों को समान दर्जा या स्वायत्त शासन नहीं देता है। तथाकथित स्वाधीनता, जो कि स्त्रियां सशस्त्र भिड़न्त की स्थितियों में शायद प्राप्त कर लें अक्सर अस्थायी स्थितियां होती हैं, इन स्थितियों में उन्हें पुरुषों के लिये पारम्परिक तौर पर आरक्षित भूमिकाएं निभानी होती हैं। एक बार संघर्ष समाप्त हो जाने पर, स्त्रियों को उनके पारिवारिक और निजी भूमिकाओं की ओर वापस लौटना पड़ता है। क्योंकि कानून, संस्थाएँ या ढाँचे जो स्त्रियों को समान दर्जा देते हैं, संघर्ष के दौरान बदलते नहीं हैं, स्त्रियों की स्थिति पुरुषों की वशवर्ती बनी रहती है।

www.examrace.com

1. How does the LTTE portray women combatants ?
महिला लड़ाकुओं को एल.टी.टी.ई. किस प्रकार चित्रित करते हैं?

2. How, according to Kokila, is woman empowered vis-a-vis an aggressor army ?
कोकिला के अनुसार, किस प्रकार महिला आक्रामक सेना के समक्ष सशक्त होती हैं?

www.examrace.com

3. Describe the actual situation of women under LTTE.

एल.टी.टी.ई. के अंतर्गत स्त्रियों की वास्तविक स्थिति का वर्णन करें।

4. What, according to the author, makes women to join the ranks of militant ?

लेखक के अनुसार, क्या बात स्त्रियों को लड़ाकू की श्रेणी में शामिल करने के लिये विवश करती है?

www.examrace.com

5. What happens to the status of women warriors when once the conflict is over ?
एक बार संघर्ष समाप्त होने पर महिला योद्धाओं की क्या स्थिति बनती है ?

SECTION – II
खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions, each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks. **(5x15=75 marks)**

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है। **(5x15=75 अंक)**

6. What do you understand by domestic violence ?
घरेलू हिंसा से आप क्या समझते हैं ?

www.examrace.com

7. Define 'Right to Development'.

'विकास के अधिकार' को परिभाषित करो।

8. Describe the objectives of the Convention on the Elimination of all forms of Discrimination Against Women (CEDAW).

महिलाओं के विरुद्ध सभी प्रकार के भेदभाव के निराकरण पर अभिसमय का उद्देश्य स्पष्ट करो।

www.examrace.com

9. Write a critique of the feminist perspectives on Human Rights.

मानवाधिकारों पर स्त्रीवादी परिप्रेक्ष्य पर आलोचनात्मक नोट लिखें।

10. Assess the relevance of the third Generation of Rights.

मानवाधिकारों की तीसरी पीढ़ी की प्रासंगिकता का मूल्यांकन करें।

www.examrace.com

11. Write a brief note on the "right to self determination" of people.
लोगों के आत्मनिर्णय के अधिकार पर संक्षिप्त नोट लिखें।

12. Define the Concept, "universality of human rights".
मानवाधिकारों की सार्वभौमिकता की अवधारणा को परिभाषित करें।

www.examrace.com

13. Define Gramsci's notion of Hegemony.

अधिपत्य के बारे में ग्रमस्की की अवधारणा परिभाषित करें।

14. Briefly describe African Charter of Human and People's Rights (Bengul Charter).

मानव और जन अधिकारों सम्बन्धित अफ्रीकी घोषणा पत्र (बैनजूल घोषणा पत्र) को संक्षेप में स्पष्ट करें।

www.examrace.com

15. Briefly examine the impact of globalisation on human rights situation in India.
भारत में मानवाधिकारों पर भूमंडलीयकरण के प्रभाव की संक्षेप में परीक्षा करें।

16. Explain the role NGO's play in the protection of human rights.
मानवाधिकारों के संरक्षण में गैर- सरकारी संस्थाओं (NGO) की क्या भूमिका है?

www.examrace.com

17. Examine the relationship between anti-terrorism laws and protection of human rights.
आतंकवाद-विरोधी कानूनों और मानवाधिकारों के संरक्षण के बीच सम्बन्ध की समीक्षा करें।

18. Explain Gandhian Concept of 'Swaraj'.
स्वराज की गांधीवादी धारणा को स्पष्ट करें।

www.examrace.com

19. How do International Covenants differ from the Universal Declaration.

अंतर्राष्ट्रीय प्रसंविदाएँ सार्वभौमिक घोषणा पत्र से किस प्रकार भिन्न हैं?

20. Briefly describe the functions of National Commission for Women.

राष्ट्रीय महिला आयोग के कार्यों को संक्षेप में वर्णित करें।

www.examrace.com

SECTION - III

खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions of twelve (12) marks each. Each question is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में बारह (12) अंकों के पाँच (5) प्रश्न हैं। हर प्रश्न का उत्तर लगभग (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

21. Critically evaluate Gandhi's views on religion.
धर्म पर गांधी के विचारों की समीक्षा करें।

22. Assess the importance and relevance of the Universal Declaration of Human Rights.
मानवाधिकारों के सार्वभौमिक घोषणा पत्र के महत्व और प्रासंगिकता का मूल्यांकन करें।

23. Bring out the Constitutional version of the role of the state in social change in India.
भारत में सामाजिक परिवर्तन के लिए राज्य की भूमिका के संवैधानिक दृष्टि को स्पष्ट करें।

24. Explain the role of Public Interest Litigation (PIL) in protecting the human rights of marginalised section of society.
समाज के कमजोर वर्गों के मानवाधिकारों की सुरक्षा में जनहित याचिका की भूमिका की व्याख्या करें।

25. Analyse the importance of socialization in promoting respect for human rights in the specific context of India.
भारत के विशिष्ट सन्दर्भ में मानवाधिकारों के लिए सम्मान को बढ़ाने के लिए समाजीकरण के महत्व का विश्लेषण करें।

www.examrace.com

SECTION - IV

खण्ड—IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics. This question carries 40 marks.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. Assess the role of Indian Judiciary in protecting human rights. Illustrate your answer with suitable examples.
मानवाधिकारों का संरक्षण करने में भारतीय न्यायपालिका की भूमिका का मूल्यांकन करें। अपने उत्तर को उदाहरण देकर समझाइए।

OR/अथवा

Bring out the nature of human rights violation of women in the public sphere in India. Also suggest suitable remedies to prevent them.
भारत में सार्वजनिक क्षेत्र में स्त्रियों के मानवाधिकारों के उल्लंघन के स्वरूप को दर्शाएं, और उन्हें रोकने के लिए उपयुक्त उपाय बताएँ।

OR/अथवा

Critically analyse the role of international (U.N.) and regional protection mechanisms in protecting and promoting human rights.
मानवाधिकारों का संरक्षण और संवर्धन करने में अंतर्राष्ट्रीय (यू.एन.) और प्रादेशिक संरक्षण क्रियाविधियों की भूमिका का आलोचनात्मक विश्लेषण करें।

www.examrace.com

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....

www.examrace.com